द्वारा सिचाई के लिए 50 से 75 प्रतिशत तक अनुदान देने की चेष्टा की है, बंदोबस्त किया है । उससे एक नया कार्यकल्प खेती का होगा । खती का विस्तार डबल हो जाएगा, यह आप समझने की चेष्टा कीजिए । अगर आपको पता नहीं हो, आप मेरे पास आइय, मैं आपको समझाऊंगा । (व्यवधान)

Elective subjects in Navodaya Vidyaluya

*824. SHRI GOVINDRAM MIRI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Music and Art are not taught in Navodaya Vidalaya as elective subjects at plus two stage;

(b) if so, whether Government is considering introduction of these sub jects as elective at plus two stage in Navodaya Vidyalayas; and

(c) if so, the details and if not, the reasons and justifications, if any, therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCF DEVELOPMENT DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Yes, Sir

(b) No, Sir.

(c) Art and Music are taught as subjects up to Class VIII in Navodaya Vidyalayas and thereafter they are part of cultural and co-curricular activities. It is not feasible to make arrangements for teaching of a large number of elective subjects.

SHRI GOVINDRAM MIRI: Madam, I think the Minister would agree with me that nowadays music and art do play an important role in cur day-to-day life. It has the power to cure illness, sadness, tension, etc The Minister in her written reply has said that it is not feasible to iriake ar-angemenfs for teaching a large number of elective subjects. Now my question is about' teching art and music especially, at plus two stage. I want to ask the hon. Minister why it is not feasible to teach art and music at plus-two level in the residential schools which are being developed as a model school or a pilot institution in each district of the country. A sum of Rs. 10,000 per year is spent per student in the Navodaya Vidyalayas.

उपसभापति : जवाब आने में समय लगेगा । टाइम कम है । आपको दो सवाल पूछने हैं ।

SHRI GOVINDRAM MIRI: Does it mean that a model school should be a model of limitations, where only a handful of elective subjects would be taught?

KUMARI SEUA: Madam, actually there are about 22 subjects which CBSE has prescribed as elective subjects. So, obviously we could not make arrangements for all the 22 subjects and obviously we had to choose some and to leave out some. That is the reason why the nine elective subjects, which we have chosen, do not include art and musk. We have to make a choice from the 22 subjects!.

SHRI GOVINDRAM MIRI: Madam, these subjects are taught in the Delhi Vdministration Schools and in the Delhi state schools and in the schools of other States including my State of Madhya Pradesh. The Navodaya Vidyalayas too are following the uneven road followed by the Kendriya Vidyalayas, where obso-lote and a handful of stereotyped elective subjects are available for students to choose at plus two level. In the Humanity stream the subjects available are only History. Geography and Economics and in the Science stream the subjects available are Physics, Chemistry, Biology and Mathematics. The Commerce stream is available only in three schools. Moreover, all the Vidyalayas do not have all the streams. A committee, called Bhu-tang Rao Committee, was set up some five years ago. It recommended opening of more new electives at plus two level. for example, art, music, physical education, tourism, computer science, etc. But its recommendations have been shelved. I would like to know whether the Minister is in the know of all these recommendations and, if *ves* whether she

would implement them with regard to Navodaya Vidyalayas.

KUMARI SELJA: Madam, as far as the Bhujang Rao Committee is concerned, I am afraid 1 don't have the information about that. I can supply it to the hon. Member later. I would like to inform him that we had taken care of art and music and these kinds of things as co-curricular subjects. Music and art are taught from class VI to class VIII. After that they form part of the co-curricular activities. The hon. Member might be aware that sometime back we had some function in the Kamani Auditorium and other things. We had held 74 workshops in the schools, where Zonal Cultural Centres were polled in, which had been given money by the Department of Education as a part of promoting art and culture and vlues in education. We have got tremendous response to that. We had an exhibition in the India International Centre. All the paintings made by the children were sold out. We have involved artists of great repute. They have worked with the children. Madam, some of the Members had an occasion to see that programme and it was highly appreciated. We intend to go ahead with this programme and expand it further. In the coming year we plan to conduct 75 workshops.

श्रीमती चन्द्रकला पाण्डेय : मैडम, नवोदय विद्यालय मॉडर्न विद्यालय है और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के लिए मैं सोचती हूं कि संस्कृति, कला और शिल्प भी 12वीं कक्षा में ऐच्छक विषय के रूप में होना चाहिए। मंत्री महोदय, क्या आप ने कोई ऐसा सर्वे करवाया है कि इन विषयों को पढने वाले विद्यार्थी कितने हो सकते हैं?

कुमारी शैलजा : जी नहीं, ऐसा कोई सर्वे नहीं कराया है, लेकिन जैसा कि मैंने बताया कि इस पर हमारा ध्यान है और क्यूरीकुलर एक्टिविटीज के रूप में हम ने इसे जरूर बढ़ावा दिया है।

श्री महेश्वर सिंह : उपसभापति महोदया, प्रश्नकर्ता माननीय सदस्य श्री मिरी जी की चिंता यह है कि देश में जो नवोदय विद्यालय हैं, इन में + 2 में इलेक्टिव सब्जेक्ट्स के रूप में म्यूजिक और आर्ट नहीं पढ़ाया जाता है, लेकिन मेरी चिंता भिन्न है कि दूरगामी क्षेत्रों में जो आप के नवोदय विद्यालय चल रहे हैं, उन में अनेकों स्थानों पर कम्पलसरी सब्जैक्ट्स पढाने के लिए भी अध्यापक नहीं हैं। उन के अनेकों पद रिक्त पड़े हैं और स्कूल भवन की भी समुचित व्यवस्था नहीं है उदाहरणत: हिमाचल प्रदेश के किन्नौर क्षेत्र का जो मुख्यालय रेकांगपियो है, वहां वर्ष 1987 में एक नवोदय विद्यालय खुला है जहां कि कम्पलसरी सब्जैक्ट्स पढाने वाले अध्यापकों के अनेकों पद रिक्त पड़े हैं और आज तक भवन की भी कोई समुचित व्यवस्था सरकार नहीं कर पायी है। मैडम, इस संदर्भ में मैंने मंत्री महोदय को एक पत्र भी लिखा है। इसलिए मैं आप के माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि किन्नौर जैसे जनजातीय और दुर्गम क्षेत्र में कम्पलसरी सब्जैक्ट्स पढाने वाले अध्यापको के जो पद रिक्त पड़े हैं, उन में आप अध्यापकों और भवन की पर्याप्त व्यवस्था करेंगे?

KUMARI SELJA: Madam, as far as staff is concerned, recruitment is an on going process. We shall try to see that adequate staff is provided. As far as this particular case regarding construc tion of building and other things at Kinnaur, is concerned, the hon. Member can write to me. I shall reply to him separately.

मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी : मैडम, उर्दू जुबान हिंदुस्तान की इंक्लाबी जुबान है और जिस ने मुल्क को आजाद कराने के लिए लफ्जे-इंकलाब का नारा देकर हिंदुस्तान के मुजाहिदीं ने आजादी को हुरियत का गरमागरम खून दिया था, मैं जानना चाहूंगा कि क्या नवोदय स्कूलों और मरकजी स्कूलों में उर्दू जुबान पढाने के लिए गवर्नमेंट ने कोई इंतजाम किया है या नहीं? अगर नहीं किया है तो उस की वजह क्या है और क्या सरकार उस का इंतजाम करेगी? अगर नहीं करेगी, तो इतनी इक्बाली जुबान को फरामोश करने की क्या वजह है जो कि खालिस हिंदुस्तानी जुबान हैं, अभी तक इन स्कूलों में पढायी जा रही है या नहीं और सरकार इन्हे पढाने का आश्वासन देगी या नहीं, यह मैं जानना चाहता हूं?

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : میڈم اردو زبان ہندوستان کی انقلابی زبان ہے اور جس نے ملک کو آزاد کرانے کیلئے الفاظ انقلاب کا نعرہ دیکر ہندوستان کے بچوں میں آزادی کو حریت کا گرما گرم خون دیا تھا۔ میں جاننا چاہونگا کہ کیا گورنمنٹ نے اسکولوں میں اور مرکزی اسکولوں میں اردو زبان پڑھانے کیلئے کوئی انتظام کیا ہے یا نہیں۔ اگر نہیں کیا ہے تو اسکی وجہ کیا ہے۔ اور کب سرکار اسکا انتظام کریگی۔ اگر نہیں کریگی تو اتنی انقلابی زبان کو فراموش کرنے کی کیا وجہ ہے جو کہ خالص ہندوستانی زبان ہے ابھی تک ان اسکولوں میں پڑھائی جا رہی ہے یا نہیں اور سرکار انہیں پڑھانے کا آنریشن دیگی یا نہیں۔ یہ میں جاننا چاہتا ہوں۔]†

KUMARl SBLJA: Madam, this question does not relate to the main question. But, I will inform, the hon. Member separately.

उपसभापति : श्री राम जी लाल ।

मौलाना अबैदुल्ला खान आज़मी : मैडम, उर्दू, जुबान की अहमियत को इतने बड़े स्कूल में नजरंदाज करना और यह कहकर मजीद उस का खून करना कि यह सवाल संगत नहीं है, मैं समझता हूं कि उस जुबान का खुला खून है।

†[]Transliteration in Arabic Script.

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : میڈم اردو زبان کی اہمیت کو اتنے بڑے اسکول میں نظر انداز کرنا اور یہ کہکر مزید ایسا کرنا کہ یہ سوال سنگت نہیں ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ اس زبان کا کھلا خون ہے۔]†

कुमारी शैलजा : हम नजरंदाज नहीं कर रहे हैं।

उपसभापति : आजमी साहब, बैठिए। मैं आपको समझाती हूं। इस से पहले अभी एग्रीकल्चर का सवाल, पंजाब से रिलेटिड था और मंत्री जी ने पंजाब से रिलेटेड जवाब दिया । अब यह सवाल स्पेशली डांस और आर्ट के ऊपर है और यह उस से संबंधित सवाल हुए । महेश्वर सिंह जी ने किसी ग्रांट के बारे में सवाल पूछा तो मंत्री जी ने कहा कि मेरे पास इसका का उत्तर नहीं है क्योंकि यह इस से कंसर्न्ड नहीं है लेकिन मैं सूचना दूंगी । इस सवाल का भी उन के पास चूंकि कोई रेडी उत्तर नहीं है, वह आप को मालूम करके बताएंगी कि क्या गवर्नमेंट की पॉलिसी है ।

श्री रामजी लाल : माननीय उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चहूंगा कि वैसे उत्तर तो उन्होंने दे दिया है, लेकिन मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि यह आज के जमाने में संस्कृति और कला बहुत जरूरी है और इसको मद्देनजर रखते हुए क्या आगे इन सब्जेक्ट को चालू करने की कृपा करेंगी ? मैडम, क्योंकि उन्होंने असुविधा जाहिर की है, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करूंगा कि आगे कोई प्रयास हों ताकि यह दोनों सब्जेक्ट इसमें लगा दिए जाएं ।

कुमारी शैलजा : मैडम, जैसा कि मैंने पहले कहा, हम इसको प्रोत्साहन तो दे रहे हैं ।

"We are not ignoring it at all,

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

† [ ] Transliteration in Arabic script